TESTCLOUD

DAILY CURRENT AFFAIRS

Exam-Oriented Current Affairs for Competitive Exams

BANKING | SSC | UPSC | RAILWAY | INSURANCE | STATE PCS

TODAY'S COVERAGE

- NATIONAL & INTERNATIONAL AFFAIRS
- BANKING & ECONOMY
- APPOINTMENTS
- AWARDS & HONOURS
- GOVERNMENT SCHEMES
- DEFENCE & SECURITY
- SPORTS
- SCIENCE & TECHNOLOGY
- IMPORTANT DAYS
- BOOKS & AUTHORS
- OBITUARIES
- STATIC GK / ONE-LINERS

TESTCLOUD

www.testcloud.in

Your Competitive Exam Preparation Partner

2026

NATIONAL AFFAIRS

1. अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला ने कोलंबिया के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।

[11 AUG 2026] -

अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला ने 7 अगस्त 2026 को कोलंबिया के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली और गुस्तावो पेट्रो का स्थान लिया। उनका शपथ ग्रहण बोगोटा के बजाय काली में हुआ, जिससे यह हालिया इतिहास में राजधानी के बाहर होने वाला दुर्लभ राष्ट्रपति शपथ ग्रहण बना।

मुख्य बिंदु:

- अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला ने कोलंबिया के राष्ट्रपति के रूप में गुस्तावो पेट्रो का स्थान लिया।
- शपथ ग्रहण समारोह काली के पिचिंचा मिलिट्री कैंटन में आयोजित हुआ।
- वह हालिया इतिहास में बोगोटा के बाहर शपथ लेने वाले पहले कोलंबियाई राष्ट्रपति बने।
- अमेरिका ने नए कोलंबियाई प्रशासन के लिए 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का वित्तीय पैकेज घोषित किया।
- वित्तीय पैकेज अपराध कम करने और ऊर्जा क्षेत्र विकास में सहायता देगा।

अतिरिक्त जानकारी:

- कोलंबिया उत्तर-पश्चिमी दक्षिण अमेरिका में स्थित है और इसकी तटरेखा प्रशांत महासागर तथा कैरिबियन सागर से लगती है।
- बोगोटा कोलंबिया की राजधानी है और कोलंबियाई पेसो इसकी मुद्रा है।
- कोलंबिया के प्रमुख निर्यात में कॉफी, पन्ना और कोयला शामिल हैं।

2. भारतीय रेलवे ने चित्रकूटधाम कर्वी और प्रतापगढ़ एक्सप्रेस का विलय किया।

[11 AUG 2026] -

रेल मंत्रालय ने 8 अगस्त 2026 को चित्रकूटधाम कर्वी-कानपुर सेंट्रल और प्रतापगढ़-कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस सेवाओं के विलय को मंजूरी दी। विलयित ट्रेन कानपुर सेंट्रल पर ट्रेन बदले बिना बुंदेलखंड और अवध क्षेत्रों के बीच सीधी कनेक्टिविटी बेहतर करेगी।

मुख्य बिंदु:

- विलयित ट्रेन मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़-चित्रकूटधाम कर्वी एक्सप्रेस के रूप में चलेगी।
- विलयित सेवा ट्रेन संख्या 14123 और 14124 का उपयोग करेगी।
- ट्रेन संरचना 12 कोच से बढ़ाकर 24 कोच की गई है।
- विलय कानपुर-प्रतापगढ़ खंड पर भीड़ कम करने के लिए सीट क्षमता को दोगुना करता है।
- सेवा प्रतापगढ़, लखनऊ क्षेत्र और चित्रकूट के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी बनाएगी।
- प्रमुख स्टेशनों में भीमसेन, घाटमपुर, हमीरपुर रोड, अमेठी, रायबरेली और लखनऊ शामिल हैं।
- यात्रियों को इस यात्रा के लिए कानपुर सेंट्रल में ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं होगी।

अतिरिक्त जानकारी:

- भारत की पहली यात्री ट्रेन 16 अप्रैल 1853 को बोरी बंदर और ठाणे के बीच चली थी।
- भारतीय रेलवे नई दिल्ली मुख्यालय वाले रेल मंत्रालय के तहत कार्य करता है।
- चित्रकूट उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में फैला धार्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र है।

3. डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप समर्थन के लिए पांच साझेदारों से समझौते किए।

[11 AUG 2026] -

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 8 अगस्त 2026 को भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम, नवाचार और फिनटेक, क्लाउड, मोबिलिटी तथा स्वच्छ तकनीक क्षेत्रों में तकनीक-आधारित वृद्धि को समर्थन देने के लिए पांच उद्योग साझेदारों के साथ समझौते किए।

मुख्य बिंदु:

- डीपीआईआईटी ने कैशफ्री पेमेंट्स, डार्विन डायनेमिक्स, वल्ट्र इंडिया, कार्स24 और काउंसिल फॉर स्टार्टअप इंडिया से समझौते किए।
- कैशफ्री पेमेंट्स जोखिम प्रबंधन, पहचान सत्यापन और एआई बिल्डाथॉन सहायता देगा।
- वल्ट्र इंडिया क्लाउड क्रेडिट और कुबरनेट्स तथा स्टोरेज तकनीक में प्रशिक्षण देगा।
- कार्स24 ऑटोमोटिव तकनीक, सड़क सुरक्षा और एआई-संचालित नवाचार को बढ़ावा देगा।
- डार्विन डायनेमिक्स स्वच्छ ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और जलवायु तकनीकों पर ध्यान देगा।
- पहल वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत लागू हो रही है।

अतिरिक्त जानकारी:

- डीपीआईआईटी की स्थापना 1995 में हुई और इसे 2019 में पुनर्गठित किया गया।
- डीपीआईआईटी स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और पीएम गति शक्ति पहलों की नोडल एजेंसी है।
- डीपीआईआईटी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

4. रेलवे ने दैनिक इटारसी-मदन महल यात्री ट्रेन शुरू की।

[11 AUG 2026] -

रेल मंत्रालय ने 8 अगस्त 2026 को मध्य प्रदेश में दैनिक इटारसी-मदन महल यात्री सेवा शुरू करने को मंजूरी दी। नई ट्रेन जबलपुर-नर्मदापुरम क्षेत्र के यात्रियों के लिए किफायती यात्रा सुविधा बेहतर करेगी।

मुख्य बिंदु:

- ट्रेन संख्या 51673 इटारसी से मदन महल तक चलेगी।
- ट्रेन संख्या 51674 मदन महल से इटारसी तक चलेगी।
- सेवा 242 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।
- यात्रा समय लगभग 5 घंटे 5 मिनट होगा।
- मार्ग जबलपुर और इटारसी रेलवे नोड को जोड़ता है।
- प्रमुख ठहरावों में पिपरिया, नरसिंहपुर, गाडरवारा और श्रीधाम शामिल हैं।
- सेवा दैनिक यात्रियों और कम दूरी के यात्रियों को लाभ देगी।

अतिरिक्त जानकारी:

- इटारसी जंक्शन मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित है।
- इटारसी जंक्शन पश्चिम मध्य रेलवे जोन के अंतर्गत आता है।
- भारतीय रेलवे का राष्ट्रीयकरण 1951 में हुआ था।

5. सीसीआरएएस और बीआईएस ने वैश्विक आयुर्वेद गुणवत्ता मानकों के लिए समझौता किया।

[11 AUG 2026] -

केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और भारतीय मानक ब्यूरो ने 7 अगस्त 2026 को आयुर्वेद उत्पादों और प्रथाओं के लिए वैज्ञानिक गुणवत्ता मानक तथा वैश्विक बेंचमार्क बनाने हेतु समझौता किया।

मुख्य बिंदु:

- यह समझौता किसी शोध संस्थान के साथ बीआईएस का 100वां समझौता है।
- यह बीआईएस की किसी आयुष संगठन के साथ पहली साझेदारी है।
- आयुर्वेद सेक्शनल कमेटी के तहत 128 सक्रिय भारतीय मानक हैं।
- पिछले तीन वर्षों में आयुष क्षेत्रों में कुल 243 मानक बनाए गए हैं।
- समझौता भारतीय मानक विकास और प्रयोगशाला क्षमताओं को समर्थन देगा।
- यह आयुर्वेदिक उत्पादों के अनुरूपता मूल्यांकन को मजबूत करेगा।
- सीसीआरएएस के 30 परिधीय संस्थानों के वैज्ञानिक प्रोजेक्ट लीडर के रूप में कार्य करेंगे।
- ढांचा आयुर्वेद को आईएसओ और एनएबीएल गुणवत्ता बेंचमार्क से जोड़ेगा।

अतिरिक्त जानकारी:

- सीसीआरएएस आयुष मंत्रालय के तहत आयुर्वेद अनुसंधान का शीर्ष निकाय है।
- बीआईएस बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत भारत का वैधानिक राष्ट्रीय मानक निकाय है।
- बीआईएस उपभोक्ता मामले मंत्रालय के तहत कार्य करता है और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

6. भारत और रूस ने औद्योगिक आधुनिकीकरण सहयोग पर चर्चा की।

[11 AUG 2026] -

आधुनिकीकरण और औद्योगिक सहयोग पर 12वीं भारत-रूस कार्य समूह बैठक 7 अगस्त 2026 को नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में हुई। दोनों देशों ने रेलवे, एयरोस्पेस, रक्षा, प्रौद्योगिकी, खनन और उर्वरक क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।

मुख्य बिंदु:

- भारतीय पक्ष की सह-अध्यक्षता डीपीआईआईटी सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने की।
- रूसी पक्ष की सह-अध्यक्षता उप मंत्री एलेक्सी ग्रुजदेव ने की।
- दोनों देशों ने वंदे भारत परियोजना और रेलवे सिग्नलिंग आधुनिकीकरण पर सहयोग की चर्चा की।
- उन्होंने एसजे-100 क्षेत्रीय विमान और एयरो-इंजन के संयुक्त उत्पादन पर विचार किया।
- वार्ता में मानवरहित हवाई प्रणाली और प्रोपल्शन तकनीक शामिल थी।
- दोनों पक्षों ने 3डी प्रिंटिंग, ऑटोमेशन और कार्बन-फाइबर तकनीकों पर चर्चा की।
- लिथियम, टाइटेनियम, एल्युमिनियम और रेयर अर्थ एलिमेंट्स पर सहयोग पर विचार हुआ।
- कार्य समूह ने यूरिया उत्पादन के संयुक्त उद्यम और दीर्घकालिक डीएपी-एनपीके आपूर्ति पर चर्चा की।

अतिरिक्त जानकारी:

- डीपीआईआईटी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कार्य करता है और औद्योगिक नीति लागू करता है।
- एसजे-100 यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन द्वारा विकसित रूसी क्षेत्रीय जेट है।
- क्रिटिकल मिनरल्स में उच्च तकनीक और रक्षा क्षेत्रों के लिए लिथियम, कोबाल्ट, निकेल तथा ग्रेफाइट शामिल हैं।

ECONOMY & BUSINESS

1. ओडिशा ने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 41,748 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया।

[11 AUG 2026] -

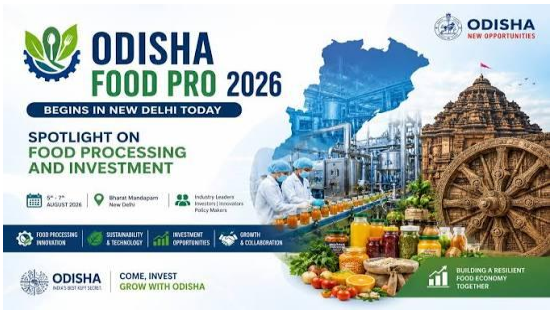

ओडिशा ने 8 अगस्त 2026 को निवेशक बैठक के दौरान खाद्य और कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र में 27 कंपनियों से 41,748 करोड़ रुपये के निवेश प्रतिबद्धताएं हासिल कीं। इन प्रतिबद्धताओं से प्रसंस्करण क्षमता, निर्यात और राज्य में रोजगार बढ़ने की उम्मीद है।

मुख्य बिंदु:

- पहले दिन खाद्य और कृषि प्रसंस्करण के निवेश प्रस्ताव कुल 43,437 करोड़ रुपये रहे।
- प्रस्तावित निवेश में 41,748 करोड़ रुपये समझौता ज्ञापनों के माध्यम से आए।
- 12 निवेश आशय प्रपत्रों से अतिरिक्त 1,689 करोड़ रुपये प्रस्तावित हुए।
- प्रस्तावित निवेश से ओडिशा में 43,316 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।
- ओडिशा का लक्ष्य 2036 तक अर्थव्यवस्था को 130 बिलियन डॉलर से 500 बिलियन डॉलर करना है।
- राज्य ने 2047 तक 1.5 ट्रिलियन डॉलर का दीर्घकालिक आर्थिक लक्ष्य रखा है।
- समर्पित मिशनों से समुद्री खाद्य निर्यात लक्ष्य 5,000 करोड़ से बढ़ाकर 25,000 करोड़ रुपये किया जाएगा।
- निवेशक बैठक ओडिशा सरकार और एसोचैम ने आयोजित की।

अतिरिक्त जानकारी:

- ओडिशा का लक्ष्य 2047 तक एक करोड़ गैर-कृषि रोजगार सृजित करना है।
- राज्य डीप सी फिशिंग मिशन और श्रिम्प एक्सपोर्ट मिशन लागू करेगा।

• एसोचैम की स्थापना 1920 में हुई और इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

2. एपीडा ने जीआई मिथिला मखाना की पहली समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी।

[11 AUG 2026] -

एपीडा ने 8 अगस्त 2026 को बिहार से ऑस्ट्रेलिया के लिए जीआई-टैग मिथिला मखाना की पहली वाणिज्यिक समुद्री खेप भेजने में सहायता की। यह खेप बिहार के प्रीमियम कृषि उत्पादों के बढ़ते निर्यात अवसरों को दर्शाती है।

मुख्य बिंदु:

• पहली समुद्री खेप में 18 मीट्रिक टन प्रीमियम कच्चा मिथिला मखाना था।

• मखाना बिहार के दरभंगा जिले के किसानों से प्राप्त किया गया।

• खेप को बिहार के बिहटा स्थित बीआईएडीए औद्योगिक क्षेत्र से रवाना किया गया।

• मैसर्स एनआईएडी ग्रीन ने खेप का ऑस्ट्रेलिया को निर्यात किया।

• मैसर्स जीतबन सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड ने निर्यात की लॉजिस्टिक्स संभाली।

• एपीडा ने अपनी भारतई निर्यात नवाचार योजना के तहत पहल को समर्थन दिया।

• खेप से किसानों को प्रचलित बाजार दरों से 18 प्रतिशत अधिक लाभ मिला।

• बिहार भारत के कुल मखाना उत्पादन में लगभग 85 प्रतिशत योगदान देता है।

अतिरिक्त जानकारी:

• मिथिला मखाना को अगस्त 2022 में भौगोलिक संकेतक टैग मिला था।

• मिथिला मखाना मुख्यतः बिहार के मिथिला क्षेत्र और नेपाल के कुछ हिस्सों में उगाया जाता है।

• मखाना जलीय पौधे यूरियाले फेरॉक्स से प्राप्त होता है।

3. केडीईएम और गुडवर्क्स ने 5,000 करोड़ रुपये के जीसीसी निवेश के लिए समझौता किया।

[11 AUG 2026] -

कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन और गुडवर्क्स ग्रुप ने 9 अगस्त 2026 को अगले पांच वर्षों में कर्नाटक में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए 5,000 करोड़ रुपये निवेश आकर्षित करने हेतु समझौता किया।

मुख्य बिंदु:

• साझेदारी का लक्ष्य पांच वर्षों में कर्नाटक में 5,000 करोड़ रुपये जीसीसी निवेश आकर्षित करना है।

• पहल का लक्ष्य राज्य में 50 नए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर स्थापित करना है।

• साझेदारी के तहत मौजूदा जीसीसी का भी विस्तार किया जाएगा।

• परियोजना से 62,500 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

• वार्षिक वेतन से राज्य अर्थव्यवस्था में 2,250 करोड़ रुपये का योगदान अनुमानित है।

• पहल से 1.25 मिलियन वर्ग फुट वाणिज्यिक रियल एस्टेट की मांग बनने की उम्मीद है।

• निवेश पहुंच का लक्ष्य उत्तरी अमेरिका, यूरोप, जापान, दक्षिण कोरिया और पश्चिम एशिया है।

• साझेदारी वर्चुअल उत्कृष्टता केंद्र विकसित करेगी और अकादमिक-उद्योग सहयोग मजबूत करेगी।

अतिरिक्त जानकारी:

• केडीईएम कर्नाटक सरकार और उद्योग इकोसिस्टम के बीच ज्ञान सेतु के रूप में कार्य करता है।

• केडीईएम का लक्ष्य आईटी, जैव प्रौद्योगिकी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में वृद्धि तेज करना है।

• कर्नाटक, विशेष रूप से बेंगलुरु, में भारत में जीसीसी की सबसे अधिक हिस्सेदारी है।

SPORTS

1. आशीष यादव ने विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भाला फेंक रजत जीता।

[11 AUG 2026] -

भारतीय एथलीट आशीष यादव ने 8 अगस्त 2026 को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में पुरुष भाला फेंक में रजत पदक जीता। वह इस प्रतियोगिता में इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय बने।

मुख्य बिंदु:

- आशीष यादव ने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो से रजत पदक जीता।
- दक्षिण अफ्रीका के जान-हेंड्रिक हेयमैन्स ने 80.50 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण जीता।
- भारतीय एथलीट टी धरनीधरन 72.35 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे।
- आशीष यादव ने विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में पुरुष भाला फेंक में भारत का दस वर्ष का पदक सूखा समाप्त किया।
- मोहम्मद अशफाक ने 400 मीटर हीट में 45.81 सेकंड का नया पुरुष अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।
- अमनत कंबोज महिला डिस्कस फाइनल में 53.24 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ छठे स्थान पर रहीं।
- बसंत ने 2.14 मीटर ऊंचाई पार कर पुरुष हाई जंप फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

अतिरिक्त जानकारी:

- नीरज चोपड़ा ने 2016 में विश्व अंडर-20 भाला फेंक में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता था।
- नीरज चोपड़ा ने पोलैंड के बिडगोस्ज़च में 86.48 मीटर का विश्व जूनियर रिकॉर्ड बनाया था।
- विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 1986 में स्थापित द्विवार्षिक आयोजन है।

SCIENCE AND TECHNOLOGY

1. डिजिलॉकर और एएईआरआई ने एएईआरआई वेरिफाई प्लेटफॉर्म शुरू किया।

[11 AUG 2026] -

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन ने 7 अगस्त 2026 को एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलियन एजुकेशन रिप्रेजेंटेटिव्स इन इंडिया के साथ एएईआरआई वेरिफाई शुरू करने के लिए साझेदारी की। प्लेटफॉर्म ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में प्रवेश चाहने वाले भारतीय छात्रों के दस्तावेजों का सुरक्षित और सहमति-आधारित सत्यापन करेगा।

मुख्य बिंदु:

- एएईआरआई वेरिफाई शैक्षणिक, पहचान और वित्तीय दस्तावेजों को डिजिटल रूप से प्रमाणित करेगा।
- प्लेटफॉर्म ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों में आवेदन करने वाले भारतीय छात्रों के लिए बनाया गया है।
- स्टेज 1 स्टूडेंट चेक औपचारिक विश्वविद्यालय आवेदन जमा करने से पहले किया जाता है।
- स्टेज 2 स्पॉन्सर चेक प्रवेश प्रस्ताव के बाद वित्तीय रिकॉर्ड सत्यापित करने के लिए शुरू होता है।
- प्लेटफॉर्म सत्यापित रिकॉर्ड के लिए भारत की डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिलॉकर का उपयोग करता है।
- एएईआरआई वेरिफाई नई दिल्ली में एएईआरआई वार्षिक सम्मेलन में लॉन्च किया गया।
- राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत प्लेटफॉर्म का प्रबंधन करता है।

अतिरिक्त जानकारी:

- डिजिलॉकर डिजिटल हस्ताक्षरित दस्तावेज भंडारण और सत्यापन के लिए डिजिटल इंडिया की प्रमुख डीपीआई पहल है।
- डिजिलॉकर वर्तमान में 72 करोड़ से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को सेवा देता है।
- एनईजीडी की स्थापना 2009 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत स्वतंत्र व्यावसायिक प्रभाग के रूप में हुई थी।

2. आईआईटी दिल्ली में परम प्रज्ञा एआई सुपरकंप्यूटिंग सुविधा का उद्घाटन हुआ।

[11 AUG 2026] -

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में परम प्रज्ञा एआई-संचालित सुपरकंप्यूटिंग सुविधा का उद्घाटन किया और संस्थान के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। यह सुविधा उन्नत कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग अनुसंधान को समर्थन देगी।

मुख्य बिंदु:

- परम प्रज्ञा आईआईटी दिल्ली सोनीपत परिसर में स्थापित एआई-संचालित हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सुविधा है।
- सरकार अनुसंधान क्षेत्र के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का वित्तपोषण उपलब्ध करा रही है।
- राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन और प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलोशिप अनुसंधान कार्यान्वयन को समर्थन देंगे।
- वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन छोटे शहरों में बिना लागत वैश्विक शोध पत्रिकाओं तक पहुंच देता है।
- रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन योजना नई तकनीकी अवधारणाओं की उन्नति को समर्थन देती है।
- 2014 के बाद से उच्च शिक्षा नामांकन 4.5 करोड़ छात्रों से अधिक हो गया है।
- 2014 के बाद सात आईआईटी, नौ आईआईएम और 13 एम्स स्थापित किए गए हैं।
- एसटीईएम विषयों में महिलाओं का नामांकन 44 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

अतिरिक्त जानकारी:

- आईआईटी दिल्ली की स्थापना 1961 में कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के रूप में हुई थी।
- आईआईटी दिल्ली को 2018 में इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस का दर्जा मिला।
- राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन अधिनियम, 2023 द्वारा शासित है।

3. एस्ट्रोबेस ने भारत का पहला 800 केएन पुन: प्रयोज्य रॉकेट इंजन पेश किया।

[11 AUG 2026] -

एस्ट्रोबेस स्पेस टेक्नोलॉजीज ने 7 अगस्त 2026 को बेंगलुरु में भारत का पहला निजी रूप से निर्मित 800 केएन फुल-फ्लो स्टेज्ड कंबशन तरल ऑक्सीजन-मीथेन रॉकेट इंजन एवरेस्ट पेश किया। पुन: प्रयोज्य इंजन मध्यम-लिफ्ट प्रक्षेपण वाहनों और घरेलू प्रक्षेपण अवसंरचना के लिए बनाया गया है।

मुख्य बिंदु:

- एवरेस्ट भारत का पहला निजी रूप से निर्मित 800 केएन पुन: प्रयोज्य रॉकेट इंजन है।
- इंजन 340 सेकंड के विशिष्ट आवेग के साथ 800 केएन थ्रस्ट देता है।
- इसमें मध्यम-लिफ्ट प्रक्षेपण वाहनों के लिए 50 प्रतिशत से 110 प्रतिशत तक थ्रॉटल रेंज है।
- इंजन तरल ऑक्सीजन और मीथेन प्रोपेलेंट के साथ फुल-फ्लो स्टेज्ड कंबशन चक्र का उपयोग करता है।
- एस्ट्रोबेस प्रतिवर्ष 50 एवरेस्ट इंजन बनाने की योजना रखता है।
- कंपनी प्रति सप्ताह एक इंजन की हॉट-फायर परीक्षण क्षमता स्थापित करने की योजना रखती है।
- प्रारंभिक प्रक्षेपण क्षमता लक्ष्य प्रतिवर्ष 100 टन है, जो दीर्घकाल में 1,000 टन तक बढ़ेगा।
- इंजन विकास को इन-स्पेस से टेक्नोलॉजी एडॉप्शन फंड सहायता मिली।

अतिरिक्त जानकारी:

- एस्ट्रोबेस स्पेस टेक्नोलॉजीज की स्थापना 2024 में हुई और इसका मुख्यालय बेंगलुरु में है।
- एस्ट्रोबेस प्रोपल्शन सिस्टम, परीक्षण अवसंरचना और पुन: प्रयोज्य अंतरिक्ष तकनीकों में कार्य करता है।
- इन-स्पेस भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी के लिए अंतरिक्ष विभाग के तहत स्वायत्त एजेंसी है।

4. एचएएल हवाई अड्डे पर भारत की पहली सैटेलाइट-गाइडेड चॉपर एप्रोच शुरू हुई।

[11 AUG 2026] -

बेंगलुरु का एचएएल हवाई अड्डा 7 अगस्त 2026 को सैटेलाइट-गाइडेड हेलीकॉप्टर एप्रोच प्रक्रिया शुरू करने वाला भारत का पहला हवाई अड्डा बना। यह प्रणाली हेलीकॉप्टर संचालन की सुरक्षा, गति और सभी मौसम में क्षमता बढ़ाती है।

मुख्य बिंदु:

- प्रक्रिया में रिक्वायर्ड नेविगेशन परफॉर्मेंस कैटेगरी एच का उपयोग होता है, जो हेलीकॉप्टरों के लिए सैटेलाइट आधारित नेविगेशन प्रोटोकॉल है।
- एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने एचएएल हवाई अड्डे के लिए आरएनपी कैट एच प्रक्रिया विकसित की।
- एचएएल टेस्ट पायलटों ने प्रक्रिया सत्यापित की और डीजीसीए ने संचालन की मंजूरी दी।
- एचएएल हवाई अड्डे तक एप्रोच समय 12 मिनट से घटकर लगभग 4 मिनट हो गया है।
- प्रणाली खराब मौसम में भूभाग और शहरी बाधाओं के बीच सटीक उड़ान मार्ग देती है।
- एचएएल हवाई अड्डा प्रतिदिन करीब 50 हेलीकॉप्टर गतिविधियां संभालता है।
- प्रक्रिया एयर एम्बुलेंस और खोज-बचाव अभियानों को सहायता देगी।

अतिरिक्त जानकारी:

- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की स्थापना 1940 में हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट के रूप में हुई थी।
- एचएएल का मुख्यालय बेंगलुरु में है और यह रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- एएआई की स्थापना 1 अप्रैल 1995 को आईएएआई और एनएए के विलय से हुई थी।

केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने 8 अगस्त 2026 को लखनऊ स्थित सीएसआईआर-एनबीआरआई बंथरा परिसर में भारत के पहले इको-एजुकेशनल हब प्रकृति ज्ञान धाम को राष्ट्र को समर्पित किया। हब जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण शिक्षा और पौध विरासत को जोड़ता है।

मुख्य बिंदु:

- प्रकृति ज्ञान धाम बंथरा स्थित महर्षि पराशर बायोरिसोर्स केंद्र में स्थापित है।
- पावन पथ पौधों और वनस्पतियों के अनुभवात्मक अध्ययन के लिए व्याख्यात्मक विरासत ट्रेल है।
- इंडियन हेरिटेज गार्डन में ऐतिहासिक स्थलों के पेड़ शामिल हैं।
- उद्यान में 52 स्वतंत्रता सेनानियों से जुड़ा बावन इमली का पेड़ शामिल है।
- इसमें मदर दशहरी आम, पातालपुरी बरगद और दांडी मार्च के पेड़ों के वंशज शामिल हैं।
- विभव एन्क्लेव दुर्लभ, लुप्तप्राय और संकटग्रस्त पौध प्रजातियों की रक्षा करता है।
- भैरव एन्क्लेव भारतीय राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के आधिकारिक राज्य पौधों को प्रदर्शित करता है।
- बैंबूस्टीम में 43 देशी और विदेशी बांस प्रजातियां हैं।

अतिरिक्त जानकारी:

- सीएसआईआर-एनबीआरआई वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद की घटक प्रयोगशाला है।
- सीएसआईआर-एनबीआरआई का मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश में है।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय सीएसआईआर अनुसंधान संस्थानों की देखरेख करता है।

GENERAL & OTHER NEWS

1. सीएसआईआर-एनबीआरआई लखनऊ में भारत का पहला इको-एजुकेशनल हब उद्घाटित हुआ।

[11 AUG 2026] -